जो मैं चाहूँगा

Gillette Audio — नंदो द स्क्राइब — gillettenarrative.com

मैं संत नहीं हूँ। इसलिए मैं इस कहानी के केंद्र-बिंदु से ही शुरू करूँगा।

मैं हर दिन एक अलग औरत चाहूँगा। सेक्स के लिए नहीं — विज्ञान ने पुष्टि कर दी है कि औरतों को उसकी ज़रूरत नहीं होती। जो मैं चाहूँगा वह है उसके अनंत ज्ञान तक पहुँच। स्त्री-संसार का वह हिस्सा जो अनजाना रह गया है। वह जो अंतर्ज्ञान और सहजवृत्ति से बना है।

मर्दों के हिस्से आने वाले वही तीन मिनट खाली हो जाने का क्षण बने रहते हैं। और व्यवहार में, असली क़ीमत आपको शायद ही कभी पता चलती है। वे एक पल को तृप्त करते हैं और एक जीवन को नुक़सान पहुँचाते हैं। वे कुछ नहीं बनाते। लेकिन केवल वही — केवल एक औरत — हमें बेहतर बना सकती है।

एक समय में एक ही व्यक्ति से प्रेम करना, गहराई से, अनन्य ढंग से, मानो यह आख़िरी बार हो — यह लॉटरी जीतने जैसा है और एक पल के लिए यह मान लेने जैसा कि आख़िरकार आप समझ गए कि अमीर होना क्या होता है। फिर सब कुछ घुल जाता है।

प्रेम का यही असर है। वह कभी शाश्वत नहीं होता। वह विकसित होता है। वह मज़बूत नहीं होता — वह सुधरता है, खिसकता है, हर तिमाही के भीतर किसी शेयर की तरह अपना प्रदर्शन बदलता है। उस कंपनी की तरह जिसमें मेरी माँ ज़िंदगी भर क़ैद रहीं: P&G।

यह लेखक कुछ नहीं माँगता, सिवाय इसके कि उसे उसके किए के लिए पहचाना जाए — न कि उसके होने के लिए। हममें से हर कोई इस दुनिया में अपना सबसे अच्छा हिस्सा ख़र्च करता है। क्योंकि ज़िंदगी हमेशा एक बैलेंस शीट माँगती है। और हर किसी के पास अकाउंटेंट नहीं होता।

आपका स्वागत है।

नान्दो

© 2026 Ferdinando Frega — सर्वाधिकार सुरक्षित
Gillette Audio — संयुक्त राज्य अमेरिका में कॉपीराइट पंजीकरण प्रक्रियाधीन